हिन्दी साहित्य की गद्य विधाओं पर पहेलियों द्वारा शिक्षण

सुश्री गुंजन जादौन (सहायक अध्यापक)
राजकीय हाईस्कूल जयनगर, विकास खण्ड – शमशाबाद,
जनपद – आगरा, उत्तर प्रदेश

उद्देश्य –

हिंदी शिक्षण के दौरान शिक्षिका ने यह पाया कि विद्यार्थी हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं को पहचानने में कठिनाई का अनुभव कर रहे हैं। हिंदी केवल एक विषय नहीं बल्कि अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षिका द्वारा हिंदी विषय के अंतर्गत विभिन्न विधाओं की शिक्षण प्रक्रिया को गतिविधि के माध्यम से सरल बनाने का नवाचारी प्रयास किया गया। आज की पीढ़ी सोशल मीडिया में अपना अधिकतम समय व्यतीत करती है जिसके कारण दादा-दादी, नाना-नानी के द्वारा सुनाई जाने वाली कहानियां, पहेलियां सुनने की उत्सुकता बच्चों में समाप्त होती जा रही है साथ ही बच्चों में रचनात्मकता की कमी आ रही है। NEP 2020 रचनात्मक कौशल के विकास को प्राथमिकता दे रही है इसी सोच के साथ शिक्षिका ने विद्यार्थियों में हिंदी विषय के प्रति हीन भावना को दूर करने व NEP 2020 के उद्देश्य को पूरा करने के लिए स्वनिर्मित पहेलियों के माध्यम से विधाओं को समझाने का प्रयास किया है।

क्रियान्वयन –

सर्वप्रथम शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं के नाम से अवगत कराया गया, तत्पश्चात टेलीविजन मॉडल (शिक्षण अधिगम सामग्री) का निर्माण किया गया। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से संबंधित चित्रों को दर्शाया गया। पेपर ,गत्ते, मिट्टी के माध्यम से कठपुतली का निर्माण किया गया, जिसके माध्यम से हिंदी शिक्षण को रोचक ढंग से समझाने का प्रयास किया। शिक्षिका द्वारा विधाओं से संबंधित स्वनिर्मित पहेलियों का निर्माण किया गया जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी विषय की विधाओं की विशेषताओं से परिचित कराया गया तथा विषय में आने वाली कठिनाइयों का समाधान किया गया। सभी प्रकार के टी.एल.एम और गतिविधियों में रोचक पहेलियों को रखा गया जिन्हें हल करने के लिए विद्यार्थी हमेशा उत्साहित रहने लगे और सरलता से हिंदी साहित्य की विधाओं को आत्मसात करने लगे।

प्रभाव -

इस नवाचार के फलस्वरूप विद्यार्थियों में हिंदी विषय के प्रति रुचि में वृद्धि हुई एवं विद्यार्थी गद्य विधाओं को आसानी से समझने लगे व परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों को आसानी से हल करने लगे, कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों द्वारा भी अधिगम में यथासंभव प्रगति का अनुभव किया गया। शिक्षिका द्वारा यह भी अनुभव किया गया कि जो विद्यार्थी सीखने में कठिनाई का अनुभव कर रहे थे व विद्यालय से दूर भागते थे। वे भी अब नियमित रूप से विद्यालय आने लगे। विद्यार्थियों द्वारा विषय को रुचि पूर्ण ढंग से अध्ययन किया जाने लगा एवं आनंदमय शिक्षण – अधिगम वातावरण का सृजन किया गया। इसके उपरांत बच्चों के परिणाम में दिन प्रतिदिन वृद्धि होने लगी। वर्ष 2021 से वर्ष 2025 तक विद्यालय में विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत परीक्षाफल रहा है, जिसके लिए डाइट आगरा में शिक्षिका व प्रधानाचार्या जी को संयुक्त शिक्षा निदेशक आगरा मण्डल आगरा द्वारा सम्मानित भी किया गया।